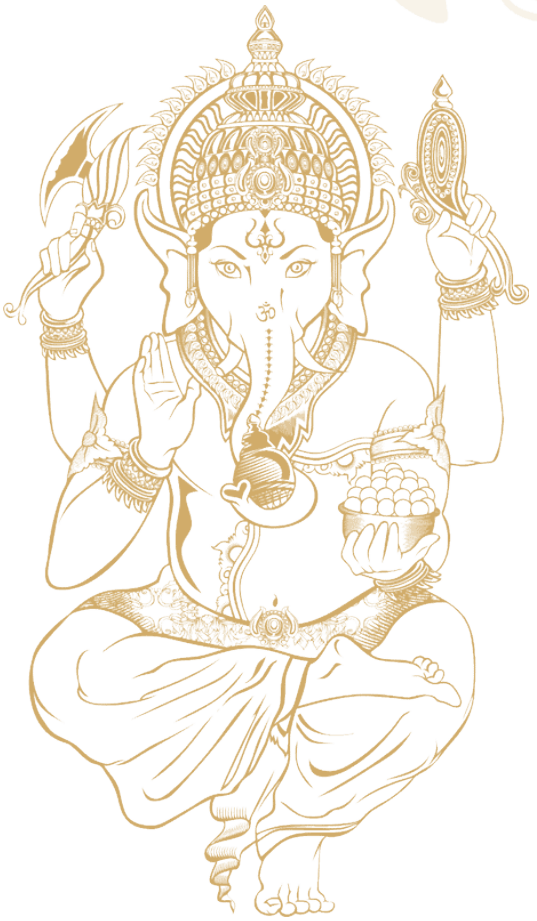

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121819106

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/03/1996	जन्म तिथि	01/06/1998
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:13:00	जन्म समय	16:40:00 घंटे
घटी 07:18:30	जन्म समय(घटी)	29:01:45 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:35	सूर्योदय	05:03:17
17:59:06	सूर्यास्त	18:45:24
23:48:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 10मा 17दि	17:54:03	मेष	लग्न	तुला	20:48:38	केतु 1वर्ष 8मा 0दि
चन्द्र	20:02:58	कुंभ	सूर्य	वृष	16:56:08	चन्द्र
20/01/2026	05:56:25	सिंह	चंद्र	सिंह	10:09:18	31/01/2026
21/01/2036	20:08:29	कुंभ	मंगल	वृष	12:03:25	01/02/2036
चन्द्र 20/11/2026	00:53:49	कुंभ	बुध	वृष	06:25:36	चन्द्र 02/12/2026
मंगल 22/06/2027	18:27:12	धनु	गुरु	मीन	00:55:14	मंगल 03/07/2027
राहु 20/12/2028	04:02:01	मेष	शुक्र	मेष	09:03:35	राहु 31/12/2028
गुरु 21/04/2030	01:58:58	मीन	शनि	मेष	05:22:22	गुरु 02/05/2030
शनि 21/11/2031	23:39:41	कन्या व	राहु व	सिंह	11:38:05	शनि 02/12/2031
बुध 21/04/2033	23:39:41	मीन व	केतु व	कुंभ	11:38:05	बुध 02/05/2033
केतु 20/11/2033	09:05:15	मक	हर्ष व	मक	18:49:15	केतु 01/12/2033
शुक्र 22/07/2035	03:06:29	मक	नेप व	मक	08:07:31	शुक्र 02/08/2035
सूर्य 21/01/2036	09:18:33	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	12:44:46	सूर्य 01/02/2036

लग्न-चलित

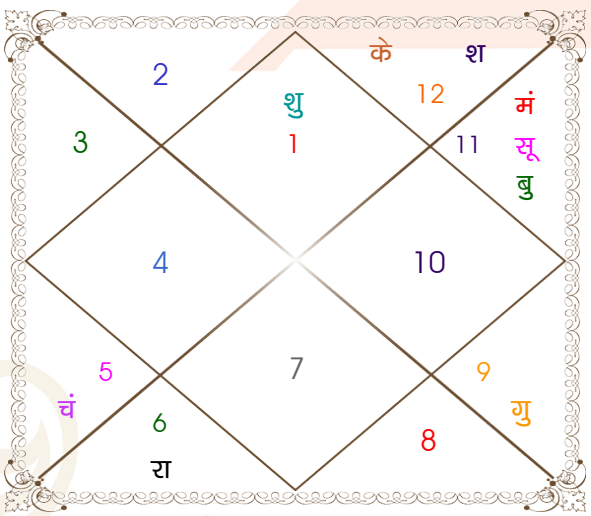

लग्न-चलित

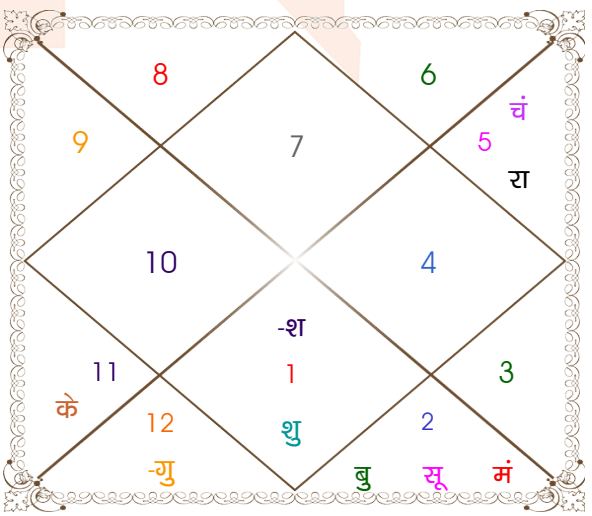

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।